आरती गजबदन विनायक की

आरती गजबदन विनायक की ।
सुर-मुनि पूजित गणनायक की । टेक ।

एक दन्त शशिभाल गजानन,
विघ्न विनाशक शुभ गुण कानन,
शिवसुत बन्द्यमान-चतुरानन,
दुःख विनाशक सुखदायक की । सुर...

ऋद्धि-सिद्धि स्वामी समर्थ अति,
विमल बुद्धि दाता सुविमल-मति,
अघ-वन-नहन, अमल अविगत गति,
विद्या विनय-विभव नायक की । सुर...

पिंगलनयन, विशाल शुण्डधर
धूम्रवर्ण शुचि वज्रांकुश-कर,
लम्बोदर बाधा-विपत्ति हर,
सुर-वन्दित सब विधिलायक की । सुर...

विवरण

गज के समान दिखने वाले विनायक भगवान की आरती है, जिन्हे देवता और मुनि सभी पूजते हैं । जो एक दाँत वाले हैं, जिनके ललाट पर चन्द्रमा विराजमान है, जो विघ्न का विनाश करने वाले हैं, शुभ एवं गुण के कर्ता हैं, जो भगवान शिव के पुत्र हैं, जिनके चार मुख हैं, देवता मुनि जिनकी वन्दना करते हैं, ऐसे दुःख का निवारण करने वाले एवं सुख को देने वाले गणेश भगवान की देवता और मुनि पूजा करते हैं ।

ये ऋद्धि-सिद्धि के बड़े समर्थ स्वामी हैं, विमल बुद्धि के दाता है, सुविमल मति प्रदान करने वालें है, अर्थात जो अपने मन से मैल को नहीं हटा

पाते हैं, जो समय के साथ चलने में खुद को समर्थ नहीं पाते एवं जो अकारण अंधकार रूपी घोर वन में विचरण करते हैं, उन्हे भी ये सद्‌बुद्धि प्रदान करके सफल मार्ग दिखाते हैं, ऐसे विद्या और विनय के वैभव नायक गणेश जी की देवता और मुनि पूजा करते हैं ।

जिनकी सुन्दर आँखें हैं, विशाल शुण्ड हैं, धूम्र वर्ण के हैं, वज्र अंकुश के समान जिनके हाथ हैं, लम्बे उदर वाले हैं, बाधा एवं विपत्तियों को हरने वाले हैं, ऐसे देवताओं के वन्दित, सभी विधियों के लायक गणेश भगवान की देवता और मुनि पूजा करते हैं ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.